**ये कहानी है ऐसे एक इंसान की**

ये कहानी है ऐसे एक इंसान की

सुनता था जो हर किसी कदरदान की

फूल सा था वो जब आया इस जहाँ में

खिलते बाघ सा था चेहरा फूलों सी मुस्कान में

ममता का आँचल मिला उसे जैसे धुप का हो साया

उसकी नटखट शरारतों ने तो सभी को हसाया

एक आंसू भी टपका तो माँ हो जाती विचला

पिताह उससे पास बुलाते और सुनाते एक किस्सा

ज़िन्दगी आगे बढ़ी तो बदलने लगा उसका भेष

कठिनाइयों में बढ़ने लगा वो किया अग्नि प्रवेश

घर की खस्ता हालत ने उसे दी एक चाह

परीक्षाएं उत्तीर्ण की उसने और रचता गया इतिहास

ज़िन्दगी में सब कुछ पा लेने का उसमे था भरोसा

अद्गड़ राश्तों ने भी कभी ना उसको रोक

पैसों से रूकावट का समाया था डर

मगर वो ढृढ़ निश्चयी था बढ़ता चला निडर

परमेश्वर में निष्ठा थी और था पूरा विश्वास

वो बस आगे बढ़ता गया होता गया कुछ ख़ास

उसकी हर कमियाबी के पीछे माता पिताह का था साथ

माँगा नहीं कुछ ऐसा उसने जिससे टूटे उनकी आश

जितनी ही मिली कमियाबी उसे उतना ही मिला प्यार

इसी प्यार की बदौलत आज हर चीज़ है उसके पास

मंजिल उसके कदम चूमते गयी खोले अपना द्वार

रास्ते वो पीछे चोदता चला और पा लिया संसार

आज की पीढ़ी के लिए है वो एक पहचान

पा सकते है हम सब कुछ होकर भी मामूली इंसान

**किशोर पाठक**